दुर्घटना के 51 घंटे बाद फिर चलने लगीं ट्रेन

पटरी दुरुस्त कर पहले मालगाड़ी चलाई गई उसके बाद यात्री ट्रेनों का परिचालन किया गया

ध्रुवाक्ष साहा

ओडिशा के बालासोर में भीषण रेल दुर्घटना के बाद रविवार देर रात से रेलगाड़ियों की आवाजाही फिर शुरू हो गई है। रेल मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी। दुर्घटना के लगभग 51 घंटे बाद क्षतिग्रस्त रेल पटरियों सहित रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए जरूरी अन्य ढांचे दुरुस्त कर लिए गए। रेल तंत्र दुरुस्त होने के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'अब हमारा ध्यान दुर्घटना में लापता लोगों की खोज-खबर उनके परिवार वालों तक पहुंचाने पर है। हमारा काम अभी समाप्त नहीं हुआ है।'

अधिकारियों ने कहा कि क्षतिग्रस्त रेल पटरी की मरम्मत के बाद विशाखापत्तनम बंदरगाह से राउरकेला में इस्पात संयंत्र तक कोयले के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले बॉक्सएन डिब्बे ले जाए गए। इसके तुरंत बाद विपरीत दिशा में पहली रेलगाड़ी चलाई गई जो एक खाली मालगाड़ी थी। तब से इन पटरियों पर कई रेलगाड़ियां गुजर चुकी हैं।

दुर्घटना के लगभग 15-17 घंटे बाद रेल यातायात बहाल करने का कार्य शुरू हुआ था। तीन रेलगाडियों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राहत एवं बचाव कार्य में लगे लोगों को मलबा हटाने और मदद पहुंचाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था।

भारत के इतिहास में यह सबसे भीषण रेल दुर्घटनाओं में एक थी। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इंटरलॉकिंग मैकेनिज्म के साथ छेड़-छाड़ के कारण यह दुर्घटना हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस हादसे में 275 लोगों की मौत हो गई और 800 से अधिक लोग घायल हुए।

रेल मंत्रालय ने दुर्घटना की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सिफारिश की है। रेल मंत्री वैष्णव ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। उन्होंने भुवनेश्वर में संवाददाताओं से कहा, 'जिन परिस्थितियों में दुर्घटना हुई और जो आधिकारिक सूचना हमें प्राप्त हुई है उनके आधार पर रेलवे बोर्ड ने सीबीआई से तहकीकात कराने की सिफारिश की है।'

इस बीच, रेलवे बोर्ड के सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना की जांच में गृह मंत्रालय रेलवे की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में सिग्नल की गड़बड़ी के संकेत मिल रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुर्घटना सीधे तौर पर कर्मचारियों की कमी और भारतीय रेल तंत्र की क्षमता पर अत्यधिक दबाव का संकेत दे रही है। केंद्र सरकार ने बालासोर रेल दुर्घटना के मृतकों को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को 50,000 रुपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। रेलवे के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने रविवार को बताया कि मंत्रालय ने अब तक 285 मामलों में अनुग्रह राशि का भुगतान कर दिया है और मृतकों एवं घायलों के परिवारों को 3.22 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

मृतकों के परिजन को नौकरी: ममता

ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। बनर्जी ने कहा कि भीषण हादसे में अंग गंवाने वालों के परिजनों को भी सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार उन लोगों को भी नकद सहायता देगी, जो कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार थे और फिलहाल मानसिक व शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं। बनर्जी अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे घायल यात्रियों से मिलने के लिए मंगलवार को भुवनेश्वर और कटक जाएंगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में पश्चिम बंगाल के 206 घायल यात्रियों को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, 'कटक के अस्पतालों में भर्ती 33 यात्रियों की हालत गंभीर है।' बनर्जी ने कहा कि बंगाल के कुछ मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ जाएंगे। वह बुधवार को पीड़ितों के परिजनों को अनुग्रह राशि के चेक और नियुक्ति पत्र वितरित करेंगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि वह दुर्घटना पर किसी भी तरह की राजनीति में नहीं पड़ना चाहतीं और घायल यात्रियों व उनके परिवारों की हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। सूत्रों ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना में घायल हुए राज्य के यात्रियों के इलाज और पुनर्वास की निगरानी के लिए बनर्जी ने सोमवार को अंतिम समय में दार्जिलिंग की अपनी चार दिवसीय यात्रा रद्द कर दी।

मालगाड़ी बेपटरी हुई कोई हताहत नहीं

बालासोर जिले में हुए भीषण रेल हादसे के तीन दिन बाद ही, सोमवार को ओडिशा के बरगढ़ जिले में एक निजी नैरो गेज रेल लाइन पर एक मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई। अधिकारियों ने बताया कि चूना पत्थर ले जा रही एक मालगाड़ी की पांच बोगियां उस वक्त पटरी से उतर गईं, जब वह डूंगरी से बरगढ़ जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एक 'प्राइवेट साइडिंग' के अंदर हुई जो एक कंपनी के स्वामित्व में है और इसका रखरखाव तथा संचालन रेलवे द्वारा नहीं किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि, 'डूंगरी लाइमस्टोन माइन्स' और 'एसीसी सीमेंट प्लांट, बरगढ़' के बीच एक निजी नैरो गेज रेल लाइन है। यहां मौजूद लाइन, वैगन, लोको सब कुछ निजी कंपनी के स्वामित्व में हैं। यह किसी भी तरह से भारतीय रेलवे प्रणाली से जुड़ा हुआ नहीं है और इसी लाइन पर घटना सोमवार सुबह हुई।

वास्तविक कारणों का पता लगाएं: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बालासोर रेल हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए इस मामले के सभी पहलुओं की जांच की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच से 'तकनीकी, संस्थागत और राजनीतिक विफलताओं' की जवाबदेही तय नहीं हो सकती। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में यह भी कहा कि सीबीआई रेल दुर्घटनाओं की जांच के लिए नहीं है, वह अपराधों की छानबीन करती है।

पूर्व रेल मंत्री खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही तय करने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने और लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। रेलवे बोर्ड ने बालासोर ट्रेन दुर्घटना की सीबीआई जांच की सिफारिश की है। खरगे ने पत्र में आरोप लगाया कि सरकार के कई ऐसे फैसले इस बीच लिए गए हैं, जिनसे रेलयात्रा असुरक्षित हो गई है और जनता की समस्याएं बढ़ती गई हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'रेलवे में करीब तीन लाख पद खाली हैं। जिस क्षेत्र में यह दुर्घटना हुई, उस पूर्व तट रेलवे में 8,278 पद खाली हैं। यही हाल उच्च पदों का है, जिनकी भर्ती में प्रधानमंत्री कार्यालय और कैबिनेट कमेटी की भूमिका होती है।'

उन्होंने कहा कि रिक्तियों के कारण अनुसूचित जाति जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए सुनिश्चित नौकरियों को भी खतरा पैदा होता है। उनके मुताबिक, 'रेलवे बोर्ड ने हाल ही में खुद माना है कि रिक्तियों के कारण लोको पायलटों को लंबे समय तक काम करना पड़ा है। फिर भी ये पद अब तक क्यों नहीं भरे गए?' उन्होंने कहा, 'संसद की परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 323 वीं रिपोर्ट (दिसंबर 2022) में रेलवे संरक्षा आयोग (सीआरएस) की सिफारिशों पर रेलवे बोर्ड द्वारा दिखाई जाने वाली बेरूखी और उपेक्षा के लिए रेलवे बोर्ड की आलोचना की है। भाषा

'भारत जलवायु मुद्दे को उठाता रहा है'

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गरीब और विकासशील देश कुछ विकसित देशों की 'गलत नीतियों' की कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ऐसे सभी उन्नत और बड़े देशों के साथ जलवायु न्याय के मुद्दे को मजबूती से उठाता रहा है। मोदी ने नई दिल्ली में विश्व पर्यावरण दिवस के एक कार्यक्रम में अपने वीडियो संदेश में कहा कि विश्व जलवायु की सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देश निहित स्वार्थों से ऊपर उठकर सोचें। उन्होंने कहा, 'लंबे समय तक दुनिया के बड़े और आधुनिक देशों में विकास का जो मॉडल बना, वह बहुत विरोधाभासी है। इस विकास मॉडल में पर्यावरण को लेकर बस, यह सोच थी कि पहले हम अपने देश का विकास कर लें, फिर बाद में पर्यावरण की भी चिंता करेंगे।'

मोदी ने कहा कि इससे ऐसे देशों ने विकास के लक्ष्य तो हासिल कर लिए, लेकिन पूरे विश्व के पर्यावरण को उनके विकसित होने की कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा, 'आज भी दुनिया के विकासशील और गरीब देश, कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों का नुकसान उठा रहे हैं। दशकों-दशक तक कुछ विकसित देशों के इस रवैये को न कोई टोकने वाला था, न कोई रोकने वाला था। मुझे खुशी है कि आज भारत ने ऐसे हर देश के सामने जलवायु न्याय का सवाल उठाया है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण की रक्षा के लिए बहुत स्पष्ट रोडमैप लेकर आगे बढ़ रहा है और उसने वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य के दृष्टिकोण के बीच एक संतुलन बनाया है। उन्होंने कहा, 'भारत आज अपने बुनियादी ढांचे पर अभूतपूर्व निवेश कर रहा है तो पर्यावरण पर भी उतना ही ध्यान केंद्रित कर रहा है। हमने एक तरफ गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए तो वहीं भारत में वन्यजीव और वन्यजीव अभ्यारण्यों की संख्या में भी रिकॉर्ड वृद्धि भी की गई है। भारत आज एक तरफ जल जीवन मिशन चला रहा है, तो दूसरी तरफ हमने जल सुरक्षा के लिए 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर तैयार किए हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एक तरफ भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है तो वह नवीकरणीय ऊर्जा में शीर्ष-5 देशों में भी शामिल हुआ है। भाषा

बैंक ऑफ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra भारत सरकार का उद्यम एक परिवार एक बैंक
प्रधान कार्यालय: "लोकमंगल", 1501, शिवाजी नगर, पुणे – 411 005.

खरीद के लिए अनुरोध (आरएफपी)

बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पात्र तथा प्रतिष्ठित बोलीदाताओं / मूल उपकरण निर्माताओं/ सेवा प्रदाताओं से निम्नलिखित परियोजनाओं हेतु मुहरबंद निविदा प्रस्ताव (तकनीकी बोली तथा वाणिज्यिक बोली) आमंत्रित करता है:

1. **आरएफ़पी क्र.06/2023-24- आवश्यक उपकरणों के साथ माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आधारित ऑफिस 365 ई-मेल समाधान की आपूर्ति, विन्यास और रखरखाव के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध**
2. **आरएफ़पी क्र.11/2023-24- पाँच वर्षों की अवधि हेतु धन-शोधन निवारक समाधान की आपूर्ति, स्थापना, विन्यास, एवं रखरखाव के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध**
3. **आरएफ़पी क्र.14/2023-24- डेटा सेंटर की संरचित केबलिंग की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध**

विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाइट **https://www.bankofmaharashtra.in** पर **'टेंडर सेक्शन'** में तथा जेम पोर्टल **https://gem.gov.in** पर दिनांक **05.06.2023** से उपलब्ध रहेगी।

संबंधित परिशिष्ट भी उपर्युक्त वेबसाइट पर जारी किए जायेंगे। बैंक बिना कोई कारण बताए आरएफपी प्रक्रिया रद्द या पुनर्निर्धारित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

ह/-
दिनांक : 06.06.2023 **मुख्य डिजिटल अधिकारी**

'कमजोर' आरोपपत्र दाखिल करने का अंदेशा: सिब्बल

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की पहलवानों की मांग के बीच सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए अंदेशा जताया कि भाजपा सांसद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तथा एक 'कमजोर' आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा और फिर उन्हें जमानत मिल जाएगी।

उच्चतम न्यायालय में प्रदर्शनरत पहलवानों की पैरवी कर रहे सिब्बल का यह बयान तब आया है जब ऐसी जानकारी है कि महिला पहलवानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार देर शाम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। पहलवान बजरंग पूनिया के हवाले से बताया गया कि पहलवानों के प्रतिनिधिमंडल ने शाह से मुलाकात की। सिब्बल ने ट्वीट किया, 'अमित शाह ने पहलवानों के दल से मुलाकात की। समाधान के लिए कुश्ती। मेरा अंदेशा : कोई गिरफ्तारी नहीं होगी। कमजोर आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। बृजभूषण शरण सिंह को जमानत मिल जाएगी। फिर वे कहेंगे कि मामला न्यायालय के विचाराधीन है।' दिल्ली पुलिस ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं जिनमें एक प्राथमिकी नाबालिग पहलवान के आरोपों के आधार पर पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज की गई है। भाषा

'भविष्य की बात नहीं करती मोदी सरकार'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को भविष्य की ओर देखने में 'अक्षम' करार दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केवल पीछे (रियरव्यू मिरर) देखकर भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं, जो 'एक के बाद एक हादसों' का कारण बनेगा। अमेरिका की यात्रा पर आए राहुल ने 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस-यूएसए' द्वारा रविवार को न्यूयॉर्क के जेविट्स सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। कांग्रेस नेता ने कहा, 'हमारे देश में एक समस्या है, जो मैं आपको बताऊंगा। भाजपा और आरएसएस भविष्य की ओर देखने में अक्षम हैं। वे अक्षम हैं। उनसे आप कुछ भी पूछो, वे पीछे की ओर देखते हैं।'

उन्होंने ओडिशा ट्रेन हादसे का उल्लेख करते हुए सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि अगर आप भाजपा से पूछेंगे कि ट्रेन हादसा क्यों हुआ, वे

कहेंगे कि कांग्रेस पार्टी ने 50 साल पहले ऐसा किया था, इसलिए हुआ। राहुल ने कहा कि अगर आप भाजपा से पूछेंगे कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों से 'पीरियॉडिक टेबल (आवर्त सारणी)' क्यों हटाई, तो वे कांग्रेस पार्टी द्वारा 60 साल पहले किए किसी काम का जिक्र करेंगे। उन्होंने कहा, 'उनकी पहली प्रतिक्रिया पुरानी बातों का जिक्र करने की ही होती है।' राहुल ने कहा कि कोई 'रियरव्यू मिरर' देखकर कार नहीं चला सकता, क्योंकि इससे तो केवल 'एक के बाद एक हादसे ही होंगे'।

उन्होंने कहा, 'यही नरेंद्र मोदी के साथ हो रहा है। वह भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं और वह केवल रियरव्यू मिरर में देखते हैं। इसलिए उन्हें समझ नहीं आ रहा कि यह कार हादसे का शिकार क्यों हो रही है और क्यों आगे नहीं बढ़ रही है। भाजपा और आरएसएस के साथ भी यही है, उन सभी के साथ।' राहुल ने कहा, 'आप उनकी बातों को सुनें। उनके मंत्रियों की बातें सुनें, प्रधानमंत्री की बात सुनें। आप उन्हें कभी भविष्य के बारे में बात करते नहीं पाएंगे। वे केवल अतीत की बात करते हैं और अतीत से किसी न किसी को दोषी ठहराते हैं।' राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान जब एक ट्रेन हादसा हुआ था, तो उनकी पार्टी ने यह नहीं कहा था कि 'ट्रेन हादसा अंग्रेजों की गलती की वजह से हुआ। बल्कि मुझे याद है कि कांग्रेस के मंत्री ने कहा था कि ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई, यह मेरी जिम्मेदारी है और मैं इस्तीफा दे रहा हूं'। भाषा

आज़ादी का अमृत महोत्सव
www.bankofbaroda.in
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

निविदा सूचना

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, सुविधा प्रबंधन विभाग, मुंबई, GeM पोर्टल के माध्यम से वर्तमान के वीसी इंफ्रा के नवीनीकरण एवं विभिन्न वीसी उपकरणों के एएमसी तथा एफएमएस सपोर्ट के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है।

विवरण बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** के निविदा अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध हैं।

निविदा में संशोधन सहित किसी भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र को केवल बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा। निविदाकर्ता अपनी निविदा जमा करने से पहले इसका संदर्भ लें।

ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 27.06.2023 को 15:00 बजे तक।

स्थान: मुंबई **महाप्रबंधक एवं प्रमुख**
दिनांक: 06.06.2023 **(सु.प्र, सी.ओ.ए, पी.डी. एवं आर.डी.पी.)**
40/23-24

आज़ादी का अमृत महोत्सव
www.bankofbaroda.in
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

परिशिष्ट

परिशिष्ट: क्रिएटिव एजेंसी की सूचीबद्धता के लिए निविदा दस्तावेज (आरएफ़पी सं. bcc: mktg: emp_agnc:115:285 dt.29.05.2023) – निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 21.06.2023 को अपराह्न 3 बजे तक है।

हम विज्ञापन/ क्रिएटिव एजेंसियों की सूचीबद्धता से संबंधित अपने विज्ञापन दिनांक 29.05.2023 का संदर्भ देते हैं।

उक्त निविदा दस्तावेज में कुछ संशोधन/ स्पष्टीकरण हैं। तदनुसार, इच्छुक विज्ञापन/ क्रिएटिव एजेंसियों को सूचित किया जाता है कि बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** के निविदा खंड को देखें। बोलीकर्ता प्रस्ताव को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले इसे अवश्य देख लें।

स्थान: मुंबई **उप महाप्रबंधक**
दिनांक: 06.06.2023 **प्रमुख – विपणन एवं ब्रांडिंग**
39/23-24

हैकरों ने डिलीट की कई यूट्यूब चैनल की सामग्री

हैकरों ने क्रिएटर तन्मय भट्ट और मशहूर पत्रकार बरखा दत्त की मल्टीमीडिया न्यूज वेबसाइट की पूरी सामग्री डिलीट कर दी

सौरभ लेले

समाचार संगठन मोजो स्टोरी और सामग्री क्रिएटर तन्मय भट्ट के यूट्यूब चैनल को रहस्यमय तरीके से डिलीट कर दिया गया। हाल के महीनों में कई हाई-प्रोफाइल यूट्यूब चैनलों को निशाना बनाकर किए गए संभावित फिशिंग हमले में कई वर्षों में बनाई गई सभी सामग्री हटा दी गई है।

मशहूर पत्रकार बरखा दत्त की मल्टीमीडिया न्यूज वेबसाइट मोजो स्टोरी के अकाउंट तक पहुंच बनाना रविवार को मुश्किल हो गया और इसके बाद हैकरों ने इस चैनल की पूरी सामग्री ही डिलीट कर दी। इसी तरह कॉमेडियन और स्क्रिप्ट लेखक तन्मय भट्ट ने ट्विटर पर शिकायत की कि हैकरों ने उनके गूगल अकाउंट को ही अपने कब्जे में कर लिया है और वास्तविक उपयोगकर्ता की पहचान करने वाले 2-फैक्टर ऑथेंटिफिकेशन की प्रक्रिया भी इसमें काम नहीं आ पाई। दोनों ही चैनल वीडियो साझा करने वाले मंच यूट्यूब से गायब हो गए। इन चैनलों को यूट्यूब पर सर्च करने पर टेस्ला कॉर्प नाम का एक चैनल दिखता है।

बरखा दत्त ने ट्वीट किया, 'घंटों तक टीम यूट्यूब से कार्रवाई करने का आग्रह करने और कदम उठाने का आश्वासन मिलने के बाद, मैंने देखा कि दि मोजो स्टोरी चैनल की पूरी सामग्री हैकरों ने डिलीट कर दी है। चार साल की मेहनत, 11 हजार वीडियो, तीन साल तक कोविड के सिलसिले में किए गए काम, सब खत्म हो गए। मेरा दिल टूट गया है।'

हालांकि कुछ घंटे के बाद, मोजो स्टोरी ने अपने यूट्यूब चैनल को फिर से रीस्टोर कर दिया है लेकिन इसकी पुरानी सामग्री रिकवर नहीं हो पाई है। इस खबर के प्रकाशित होने तक गूगल को भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं मिला।

बरखा दत्त ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमने यूट्यूब से कितनी बार मंच को फ्रीज करने का आग्रह किया ताकि हैकर इसमें कोई बदलाव न ला सकें। लेकिन हमें बताया गया कि 'जांच की प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है' और अब पूरी

घंटों तक टीम यूट्यूब से कार्रवाई करने का आग्रह और कदम उठाने का आश्वासन मिलने के बाद, मैंने देखा कि दि मोजो स्टोरी चैनल की पूरी सामग्री हैकरों ने डिलीट कर दी है। चार साल की मेहनत, 11 हजार वीडियो, तीन साल तक कोविड के सिलसिले में किए गए काम, सब खत्म हो गए। मेरा दिल टूट गया है।
बरखा दत्त

सामग्री डिलीट हो गई है।' पहले भी कई यूट्यूबर्स ने इसी तरह के हमलों के बारे में शिकायत की है, जिसकी वजह से चैनल टेस्ला कॉर्प के एक पेज में बदल गए जिनके 44 लाख से अधिक सबस्क्राइबर और करीब 470 वीडियो थे।

साइबर सिक्योरिटी कंसल्टेंसी साइबरएक्स9 के प्रबंध निदेशक हिमांशु पाठक ने कहा कि ऐसा इसलिए हो सकता है कि इसके दोबारा इस्तेमाल और क्रेडेंशियल्स की चोरी की संभावना सबसे ज्यादा है। इसमें यह भी संभव है कि एडमिन के डिवाइस पर मैलवेयर हो सकता है जो अकाउंट पर कब्जा करने के लिए ऑथेंटिकेशन कुकीज चुराता है।

पाठक कहते हैं, 'ये घोटाले महीनों से चल रहे हैं और ऐसी खबरें हैं कि वे क्रिएटरों तक पहुंचने वाले नकली प्रायोजकों के माध्यम से काम करते हैं। इसके बाद यूट्यूबर्स प्रायोजन से संबंधित एक फाइल डाउनलोड करने के लिए आश्वस्त हो जाते हैं, जो वास्तव में कुकीज चोरी करने, कंप्यूटर को दूर से ही नियंत्रित करने और आखिरकार यूट्यूब खातों को हाइजैक करने के लिए डिजाइन किया गया मैलवेयर है।'

यूट्यूब का सपोर्ट पेज उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध संदेशों या पॉप-अप का जवाब देने से बचने की सलाह देता है, जिसमें उपयोगकर्ताओं से अपना पासवर्ड लिखने का भी आग्रह किया जाता है। यह पासवर्ड मैनेजर का उपयोग करने और संगठन के भीतर खास तरह की अनुमति सेट करने का भी सुझाव देता है।

पाठक का कहना है, 'गूगल का 2-फैक्टर प्रमाणीकरण (2एफए) काफी मजबूत है और यह आसानी से नहीं तोड़ा जा सकता है। उपयोगकर्ता कई बार फिशिंग वेबसाइटों में अपने क्रेडेंशियल्स और यहां तक कि 2एफए कोड दर्ज करते हैं जो मूल वेबसाइट की तरह दिखते हैं और इसकी वजह से हमलावर आपके खाते तक पहुंच जाते हैं और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास 2एफए था या नहीं। इसके अलावा अगर आपके पास कोई ऐसा उपकरण या वेब ब्राउजर है जो हैक हो चुका है और जिसका इस्तेमाल आप यूट्यूब जैसे ऐप्लिकेशन तक पहुंचने या प्रमाणित करने के लिए कर रहे हैं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ऐप्लिकेशन अपने उपयोगकर्ताओं की कितनी सुरक्षा कर रहा है। आपके उपकरण पर नियंत्रण रखने की वजह से हैकरों के लिए आपके खातों तक पहुंचने के तरीके हमेशा मौजूद होंगे।'

उन्होंने कहा कि उपयोगकर्ताओं को कभी भी उन उपकरणों पर अज्ञात या संदिग्ध स्रोत ऐप इंस्टॉल नहीं करना चाहिए जिनका उपयोग वे महत्त्वपूर्ण अकाउंट तक पहुंचने के लिए कर रहे हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
www.bankofbaroda.in
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

निविदा सूचना

बैंक ऑफ़ बड़ौदा निम्नलिखित के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है:

क्र. सं.	निविदा सूचना	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख
1	5 वर्ष की अवधि के लिए केंद्रीकृत लॉग मैनेजमेंट सोल्यूशन (सीएलएमएस) की आपूर्ति, क्रियान्वयन और रखरखाव के लिए सेवा प्रदाता का चयन।	04.07.2023

इससे संबंधित विवरण बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** के निविदा खंड में और सरकारी GeM पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

"परिशिष्ट", यदि कोई हो, को बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** के निविदा खंड में प्रकाशित किया जाएगा। बोलीकर्ता प्रस्ताव को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले इसे अवश्य देख लें।

स्थान: मुंबई
दिनांक: 06.06.2023 **मुख्य महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी)**
38/23-24